43 वर्ष | द्वादश अंक | जुलाई 2021

513वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम

13 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

17 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

26 नवीनतम सामान्य ज्ञान

30 खेलकूद

32 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

35 रोजगार समाचार

36 बीपीएससी 64वीं के कुछ सफल उम्मीदवारों से बातचीत का सारांश

40 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

44 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

विविधा

47 स्मरणीय तथ्य

49 विश्व परिदृश्य

फोकस

53 (i) भारत का विदेश व्यापार : 2021-21

57 (ii) सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) भारत सूचकांक 2020-21

61 (iii) भारतीय अर्थव्यवस्था में व्याप्त मन्दी के बावजूद भारतीय रिजर्व बैंक के पास अधिशेष

लेख

65 **आर्थिक लेख**—श्रम सुधारों की दिशा में सार्थक कदम

67 **द्विपक्षीय सम्बन्ध**—ब्रिटेन और चीन के सम्बन्धों में बढ़ती दरार

69 **आंतरिक सुरक्षा लेख**—मानवाधिकार के संरक्षण में पुलिस की भूमिका

72 **सामाजिक लेख**—कोविड महामारी से प्रभावित बच्चों (अनाथ बच्चों) की देखभाल हेतु सरकार की पहल

74 **सामयिक लेख**—म्यांमार राजनीतिक संकट और भारत

75 **स्वास्थ्य लेख**—कुपोषण मुक्त भारत : गाँव-गाँव में हो पोषण वाटिका

78 **सामयिक लेख**—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पार्श्व परीक्षा

79 **शैक्षिक लेख**—सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा

81 **भारतीय सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी** : आपका गहन ज्ञान आपके पक्ष में करे कार्य

84 **सार संग्रह**

हल प्रश्न-पत्र

87 उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय समूह 'ख' एवं 'ग' (प्रा.) परीक्षा, 2020

93 हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2020

98 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2019

मॉडल हल

107 आगामी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2021 हेतु विशेष हल प्रश्न

117 आगामी यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

122 आगामी न्यायिक सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2021 हेतु विशेष हल प्रश्न

ऐच्छिक विषय

135 **समाजशास्त्र**
यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2020

143 **शारीरिक शिक्षा**
आगामी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

148 **गृह विज्ञान**
आगामी उ.प्र. प्रवक्ता भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

159 **तर्कशक्ति**
आरबीआई ग्रेड 'बी' अधिकारी परीक्षा, 2017

167 **सांख्यिकीय अभियोग्यता**
जीवन बीमा निगम असिस्टेंट (प्रा.) परीक्षा, 2019

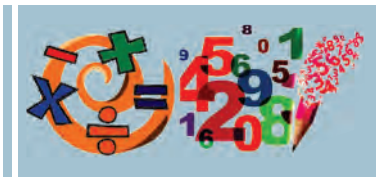

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

130 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

132 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

156 वर्षांत समीक्षा 2020—जनजातीय कार्य मंत्रालय

171 अपना ज्ञान बढ़ाइए

172 क्या आप जानते हैं ?

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

174 **प्रथम पुरस्कृत समीक्षा**—भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली का भविष्य उज्ज्वल है.

176 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर नियंत्रण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला

178 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक**—502 का परिणाम

कोविड-19 के कारण प्रतियोगिता दर्पण का जून 2021 संस्करण बाजार में उपलब्ध नहीं किया जा सका था. यद्यपि इस अंक का डिजिटल संस्करण लिंक https://bit.ly/3fHUakV पर उपलब्ध है.

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

सम्पादकीय

विश्व-विजयी सिकन्दर विश्राम कर रहा था. एक अधिकारी ने आकर अमूल्य रत्नों से जड़ी हुई एक पेटी उसे भेंट की और कहा कि यह ईरान के राजमहल से लाई गई है. उसने यह भी निवेदन किया कि आप इसमें अपनी सबसे प्रिय वस्तु रखें जिससे इसकी याद हमेशा बनी रहे.

वहाँ उपस्थित सिकन्दर के एक मित्र ने सुझाव दिया कि आप इसमें अपनी स्वर्ण-मण्डित वह तलवार रखें जिसके बल पर आपने विश्व-विजय प्राप्त की है. सिकन्दर ने भारी मन से कहा—मैंने इस तलवार से असंख्य लोगों का खून बहाया है. मैं इसे अपने लिए गौरव की वस्तु कैसे मान सकता हूँ ?

वहाँ उपस्थित अन्य मित्र ने प्रस्तावित किया—आप इसमें अपने खजाने की चाबियाँ रखें. सिकन्दर ने इस प्रस्ताव को नकारते हुए कहा—मेरे खजाने में लूटपाट से मिली सम्पदा का बाहुल्य है. ऐसी दौलत पर मैं कैसे गर्व कर सकता हूँ ? तदुपरान्त, कुछ सोचते हुए सिकन्दर ने कहा—सद्विचारों की प्रेरणा मुझे महाकवि होमर प्रणीत महाकाव्य *इलियड* से प्राप्त हुई है. इस महान् ग्रन्थ ने मुझे पापों का ज्ञान कराया है और उनके लिए प्रायश्चित की प्रेरणा प्रदान की है. अतः, इस बहुमूल्य पेटी को मैं इस अमूल्य ग्रन्थ द्वारा सुशोभित करूँगा.

हमारे युवा पाठकों को समझ लेना चाहिए कि सद्ग्रन्थों का जीवन में क्या मूल्य होता है ! यूनानी की सभ्यता संस्कृति एवं चेतना-विकास का इतिहास होमर कृत दो महाकाव्यों—*इलियड* और *ओडसी* में मिलता है. यूनान में *इलियड* और *ओडसी* का वही महत्व है जो भारत में वाल्मीकि कृत *रामायण* और व्यास प्रणीत *महाभारत* का है. इन दो ग्रन्थों में भारतीय संस्कृति के विकास का व्यापक इतिहास सुरक्षित है. इन ग्रन्थों ने क्रमशः यूरोप और भारत में न मालूम कितने व्यक्तियों के जीवन में चमत्कारी परिवर्तन किए हैं. ये ग्रन्थ अतीत के सन्दर्भ में वर्तमान को निष्ठापूर्वक जीने की और उत्साहपूर्वक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की सशक्त प्रेरणा प्राप्त करते हैं. हमारे उदीयमान नागरिक यदि इनमें किसी भी ग्रन्थ का अनुशीलन करेंगे, तो उन्हें जीवन में निराशा एवं अकर्मण्यता का कभी बोध नहीं हो सकेगा.

श्रेष्ठ ग्रन्थों की यह स्वाभाविक विशेषता होती है कि वे अनेक पाठकों के जीवन की शैली को बदलते देखे गए हैं. वीर सावरकर की जीवनगाथा ने न मालूम कितने युवकों को देश पर मर-मिटने की तथा सर्वस्व बलिदान कर देने की प्रेरणा प्रदान की थी. सुभद्रा कुमारी चौहान कृत 'झाँसी की रानी' को पढ़कर अनेक महिलाएं भारत के स्वतन्त्रता-संग्राम में भाग लेने के लिए घर की चार दीवारों के बाहर आ गई थीं.